अधिगम उपलब्धियाँ

इकाई एक - सपने-सुहाने

1.1 लघुकथा की शैलीगत विशेषताएँ पहचानकर विभिन्न प्रसंगों का विधांतरण करता है।
1.2 लघुकथा के शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा करके अपना विचार प्रकट करता है।
1.3 सहजीवों से हमदर्दी प्रकट करता है।
1.4 छायावादी कविता की शैली एवं प्रवृत्तियाँ पहचानकर वर्गीकरण करता है।
1.5 छायावादी कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।
1.6 सौंदर्यानुभूति प्राप्त करता है।
1.7 सूचना का अधिकार अधिनियम की अवधारणा पाकर पत्र तैयार करता है।
1.8 नागरिक का दायित्व निभाता है।
1.9 नाट्यरूपांतर की शैली पहचानता है।
1.10 नाट्यरूपांतर का आस्वादन करके पात्रों के चरित्र पर टिप्पणी लिखता है।
1.11 नाटक का मंचीकरण करता है।
1.12 देशप्रेम का आदर्श पाता है।

इकाई दो - चाँद-सितारे

2.1 मध्यकालीन संत कवि कबीरदास के दोहों की विशेषताओं पर चर्चा करके टिप्पणी लिखता है।
2.2 कबीरदास के दोहों का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।
2.3 कबीरदास के दोहों की प्रासंगिकता पहचानकर दोहों का संकलन करता है।
2.4 क्ष्क्र की सहायता से दोहों का आलाप करता है।
2.5 नैतिक बन जाता है।
2.6 फिल्म देखकर मुद्दों के आधार पर फिल्म की विशेषताएँ परखता है।
2.7 फिल्म समीक्षा पर चर्चा करके समीक्षा के सूचकों को पहचानता है।
2.8 सूचकों के आधार पर फिल्म समीक्षा लिखता है।
2.9 आलोचनात्मक ढंग से फिल्म देखता है।
2.10 संपादकीय-लेखन पर चर्चा करके संपादकीय की विशेषताएँ प्रस्तुत करता है।
2.11 समस्याओं पर प्रतिक्रिया प्रकट करते हुए संपादकीय लिखता है।
2.12 प्रगतिशील कविता की प्रवृत्तियों पर चर्चा करके कविता की विश्लेषणात्मक टिप्पणी लिखता है।
2.13 कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।
2.14 सपने को सच में बदलने की कोशिश करता है।

इकाई तीन - जान-पहचान

3.1 निबंध का आशयग्रहण करके घटनाओं का वर्गीकरण करता है।

3.2 कल्पना द्वारा घटनाओं का विधांतरण करता है।

3.3 जीवन और प्रकृति के प्रति सकारात्मक बनता है।

3.4 बीसवीं सदी के अंतिम दशक की कविता का आस्वादन करके टिप्पणी लिखता है।

3.5 चित्रवाचन करके संकेतों के आधार पर लेख लिखता है।

3.6 अपना स्वत्व खोजता है।

3.7 अंग्रेज़ी से हिंदी में अनुवाद करता है।

3.8 वर्तमान कहानी की संवेदना एवं शैली पहचानकर कहानी के प्रसंगों का विधांतरण करता है।

3.9 कहानी की विवेचना करके टिप्पणी लिखता है।

3.10 वाद-विवाद में अपना मत तर्कसंगत प्रस्तुत करता है और आलेख तैयार करता है।

3.11 संवेदनशील बनता है।

इकाई चार - दर-किनार

4.1 समकालीन कहानी की अवधारणा पाकर कहानी के पात्रों के चरित्र पर टिप्पणी लिखता है।

4.2 कहानी का विश्लेषण करके विभिन्न प्रसंगों का विधांतरण करता है।

4.3 अपनी गलतियों पर पश्चाताप करता है।

4.4 सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रयुक्त शब्दों का प्रयोग करता है।

4.5 कवि के विचारों का विश्लेषण करके कविता पर चर्चा करता है।

4.6 इक्कीसवीं सदी की कविताओं की विशेषताएँ पहचानकर आस्वादन टिप्पणी लिखता है।

4.7 संगोष्ठी में अपना मत प्रकट करता है और आलेख तैयार करता है।

4.8 हाशिए पर रह गई जनता की आवाज़ सुनता है।